भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 25
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 21 जुलाई 2025
30 आषाढ़,1947 (शक)

विरासत स्थलों का संरक्षण और विकास

25. श्री अरुण गोविल:

श्री मनोज तिवारीः
श्री प्रवीण पटेलः
श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः
श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावाः
श्री राजेशभाई नारणभाई चुड़ासमाः
श्री शंकर लालवानीः
श्री पी.पी. चौधरीः
श्रीमती अपराजिता सारंगीः
श्री जगदम्बिका पालः
श्री बिभु प्रसाद तराईः
श्री राजकुमार चाहरः
डॉ. हेमांग जोशीः
श्री नव चरण माझीः
श्री गोडम नागेशः

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विदेशों से प्राप्त पुरावस्तुओं की संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों सहित देश भर में विरासत स्थलों के पुनरूद्धार के लिए कोई संरक्षण और विकास परियोजनाएं क्रियान्वित की है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या भारत की सांस्कृतिक विरासत, विशेषकर राजस्थान राज्य के लिए, के डिजिटलीकरण हेतु कोई कार्रवाई की गई है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): वर्ष 1976 से अभी तक विदेशों से कुल 655 पुरावशेष प्राप्त हुए हैं।

(ख) और (ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों सहित संपूर्ण देश में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और पुरातत्वीय स्थलों के संरक्षण और रखरखाव का कार्य करता है जिसमें पेयजल, शौचालय, सुगम-पथ और सुंदर परिदृश्य इत्यादि उपलब्ध कराने का प्रावधान भी शामिल है।

(घ) और (ङ): वर्ष 2007 में स्थापित राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावेशष मिशन (एनएमएमए) ने राजस्थान राज्य से 2160 निर्मित धरोहरों एवं 42,606 पुरावशेषों का दस्तावेजीकरण किया है। इन आँकड़ो को एनएमएमए की वेवसाइट http://nmma.nic.in पर डाला गया है।

*****